I. B. (P.G.) COLLEGE, PANIPAT

Sr. No. 06282

Class .... Roll No. ....

Subject .... Paper .... Date ....

Marks obtained .... Teacher's Signature ....

प्रश्न — पत्रकारिता का अर्थ, ~~स्वरूप~~ परिभाषा एवं स्वरूप।

उत्तर — पत्रकारिता के क्षेत्र में सभी प्रकार के समाचार-पत्र व पत्रिकाएँ आ जाती हैं।
'समाचार' के लिए अंग्रेजी में 'NEWS' शब्द का प्रयोग किया जाता है। 'News' शब्द चार वर्णों के योग से बनता है — 'N' से North (उत्तर), 'E' से East (पूर्व), 'W' से West (पश्चिम), 'S' से South (दक्षिण)। इस प्रकार News का अभिप्राय है — पूर्व, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण अर्थात् चारों ओर से मिलने वाला समाचार।
पत्रिका को अंग्रेजी में Journalism कहते हैं। 'जर्नलिज्म' शब्द की रचना 'जर्नल' से हुई है। 'जर्नल' का अर्थ है — दैनिक विवरण इसे 'मैगजीन' भी कहते हैं।
फारसी भाषा में 'समाचार-पत्र' को 'अखबार' कहते हैं जिसका अर्थ है — विभिन्न समाचारों को प्रकाशित करने का आधार।
आज का युग पत्रकारिता का युग है क्योंकि यह केवल समाचार-पत्र तक ही सीमित नहीं है इसके अन्तर्गत दैनिक समाचार, साप्ताहिक, मासिक, त्रैमासिक, वार्षिक आदि पत्र-पत्रिकाएँ सम्मिलित हैं।

पत्रकारिता के क्षेत्र में दूरदर्शन, आकाशवाणी, सिनेमा आदि की भी महत्वपूर्ण भूमिका है।

पत्रकारिता की परिभाषाएँ —

1 श्याम सुंदर दास के अनुसार — "पत्रकारिता वह विधा है जिसमें पत्रकारों के कार्यों, कर्त्तव्यों, उद्देश्यों आदि का विवेचन होता है।"

2 महादेवी वर्मा के अनुसार, "पत्रकारिता रचनाशील विधा है जिसके बगैर समाज को बदलना असंभव है।

3. श्री मैथ्यु आर्नल्ड के अनुसार, "पत्रकारिता को शीघ्रता से लिखा जाने वाला साहित्य कहा गया है।"

अतः पत्रकारिता समाज के लिए ज्ञानवर्धक, मनोरंजन और जन-जागृति का माध्यम है। इसे लोकतंत्र का रक्षक भी कहा जाता है। वास्तव में पत्रकारिता समाज की उन्नति तथा जागृति के लिए अपनाई गई वह विधा है जिसमें समाज में व्याप्त विषमताओं का चित्रण करते हुए देश-विदेश के विभिन्न समाचारों तथा ज्ञान-विज्ञान की नवीन उपलब्धियों से भी परिचित कराया जाता है।

Scanned with CamScanner

प्र०८ पत्रकारिता का क्षेत्र, विभिन्न आयामों या विभिन्न प्रकारों या विभिन्न रूपों का उल्लेख कीजिए।

पत्रकारिता के विविध रूप

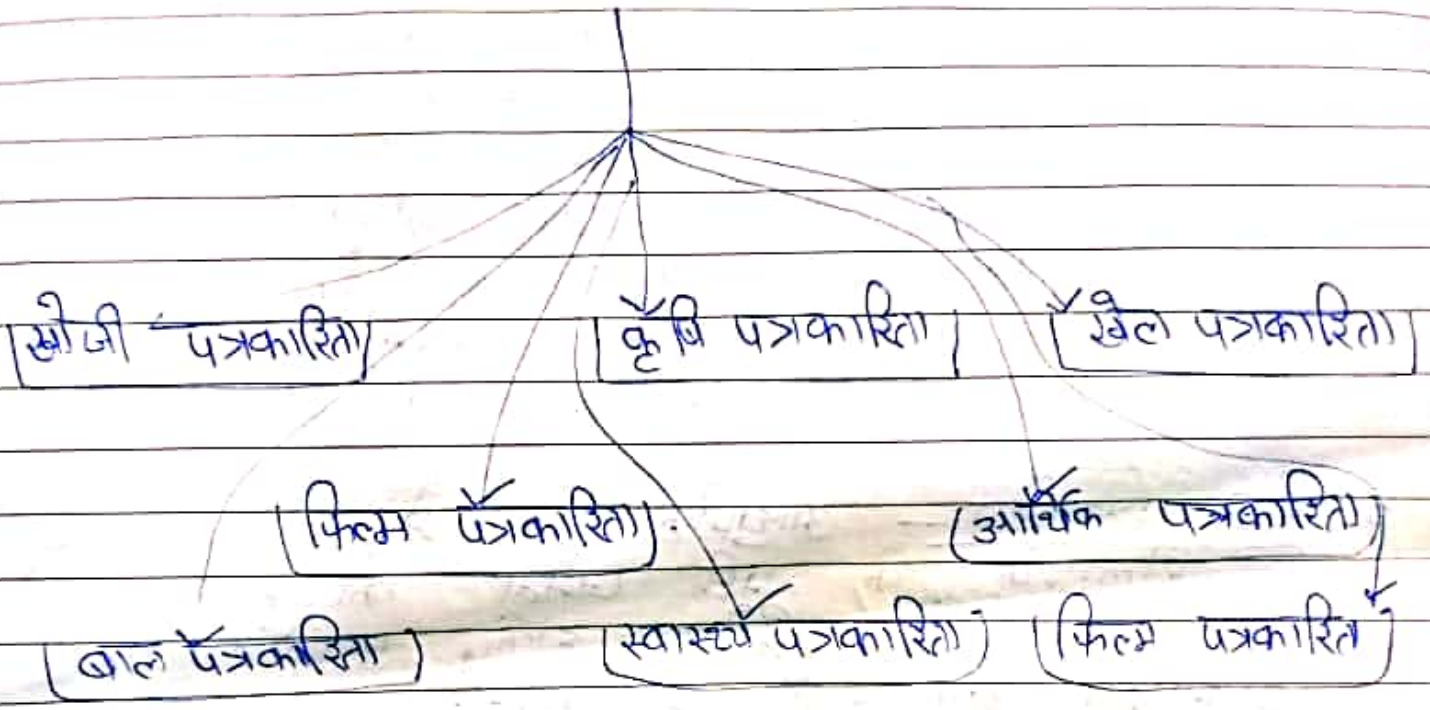

1. खोजी पत्रकारिता → इसे खोजी पत्रकारिता, अन्वेषणात्मक पत्रकारिता अथवा अन्वेषी पत्रकारिता भी कहते हैं। इसके अंतर्गत किसी समाचार को प्रकाशित करने से पहले उस समाचार से संबंधित तथ्यों की गंभीरता से खोजबीन की जाती है तथा समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार, अनाचार, अत्याचार आदि का भंडाफोड़ किया जाता है। इस कार्य में पत्रकारों को जासूसों की तरह कार्य करते हुए अनेक जोखिम भी उठाने पड़ते हैं। अमेरिका में इसी पत्रकारिता के कारण 'वाटरगेट कांड' से सत्ता परिवर्तन हो गया था।

Scanned with CamScanner

2 कृषि पत्रकारिता — भारत एक कृषि प्रधान देश है। इसलिए किसानों तथा ग्रामीण जनता को ग्रामीण क्षेत्र की समस्याओं तथा उन समस्याओं के समाधान के लिए कृषि पत्रकारिता का जन्म हुआ। कृषि पत्रकारिता द्वारा ग्रामीण परिवेश में शिक्षा, स्वास्थ्य, उर्वरक, कीटनाशक, पशु-पालन, कृषि यंत्रों, उत्तम बीज आदि की जानकारी दी जाती है उन्हें लोक संस्कृति, लोककला, कुटीर उद्योगों आदि से भी परिचित कराया जाता है। फसल रिपोर्ट बाजार-भाव, फल उत्पादन, दुग्ध उत्पादन आदि से संबंधित समाचार इसी से संबंधित है।

3. खेल पत्रकारिता — आधुनिक युग में खेल और खिलाड़ियों के प्रति जनता की रुचि बढ़ती जा रही है। क्रिकेट, हॉकी, फुटबॉल आदि अंतर्राष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के परिणाम जानने की उत्सुकता खेल प्रेमी जनता में सदा बनी रहती है। दूरदर्शन पर प्रसारित प्रतियोगिताओं के परिणाम जानने की उत्सुकता खेल प्रेमी जनता में सदा बनी रहती है। इन प्रतियोगिताओं पर विशेषज्ञों की टिप्पणियां, खिलाड़ियों के सम्बन्ध में आलेख आदि खेल-पत्रकारिता के अंतर्गत ही आते हैं। आज 'खेल-खिलाड़ी', 'खेल-हलचल', 'क्रिकेट सम्राट' आदि अनेक खेल पत्रिकाएँ प्रकाशित होती हैं।

Scanned with CamScanner

4. फिल्म पत्रकारिता → आधुनिक युग में फ़िल्मों से प्रत्येक व्यक्ति किसी-न-किसी रूप में अवश्य प्रभावित हुआ है। वह नई आने वाली फ़िल्मों, फ़िल्मों में कार्य करने वाले अभिनेता-अभिनेत्रियों के संबंध जानने की इच्छा भी रखता है। फ़िल्म-प्रेमियों की इसी जिज्ञासा को शांत करने के लिए बीसवीं शताब्दी के गद्य में फ़िल्म-पत्रकारिता का उदय हुआ था। फिल्म पत्रकारिता में नई फ़िल्मों, फ़िल्मों के अभिनेता-अभिनेत्रियों के साक्षात्कारों, फ़िल्मों पर टिप्पणियों, फ़िल्म जगत से संबंधित पुरस्कारों तथा अन्य संबंधित जानकारियां दी जाती है। फ़िल्मों से संबंधित 'फ़िल्मी दुनिया', 'फ़िल्मी कलियाँ', 'आस-पास', 'फ़िल्मी वर्ल्ड', 'फ़िल्म फेयर', 'उर्वशी' जैसी दर्जनों पत्रिकाएं प्रकाशित होती हैं।

5. बाल-पत्रकारिता→ बच्चों के स्वस्थ मानसिक विकास के लिए बच्चों के लिए प्रकाशित होने वाली 'चंपक', 'चंदा मामा' जैसी पत्रिकाएँ तथा दैनिक समाचार-पत्रों में साप्ताहिक रूप से प्रकाशित 'बाल-जगत' आदि पृष्ठ बाल पत्रकारिता की ही देन हैं। इसमें प्रकाशित गीतों, कहानियों, लघु-कथाओं, बोध-कथाओं आदि के माध्यम से बच्चों को ज्ञान-विज्ञान, व्यवहार, अनुशासन आदि की शिक्षा दी जाती है तथा उन्हें परंपरागत रूढ़ियों को त्याग कर आत्मविश्वासी बनाया जाता है। इससे बच्चे मनोरंजन के साथ-साथ अपने ज्ञान को भी बढ़ाते हैं।

Scanned with CamScanner

6. स्वास्थ्य - पत्रकारिता → जनसामान्य को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए 'आरोग्य धाम', 'आरोग्य सुधाकर' जैसी स्वास्थ्य संबंधी पत्रिकाओं का प्रकाशन किया जा रहा है तथा दैनिक समाचार-पत्र तथा मासिक पत्रिकाओं में भी स्वास्थ्य से संबंधित आलेख, टिप्पणियां, प्रश्नोत्तर दिए जाते हैं जिससे इस भाग-दौड़ के युग में हम अपने स्वास्थ्य की रक्षा कर सकें। स्वास्थ्य से संबंधित पत्रिकाओं में मधुमेह, हृदय रोग, बाल रोग, बाल रोग, स्त्रीरोग आदि से संबंधित विशेषांक भी प्रकाशित होते रहते हैं।

7 फ़िल्म पत्रकारिता → फ़िल्मी दुनिया ने आम आदमी को भी अपनी ओर आकृष्ट किया है। युवा पीढ़ी के लिए तो फ़िल्मी संसार आदर्श ~~संसार~~ बन गया है। बीसवीं शती के मध्य से हिन्दी फ़िल्म पत्रकारिता का आरम्भ हुआ है। आजकल हर समाचार-पत्रों के एक या दो पृष्ठों पर फ़िल्मों से सम्बन्धित समाचार व फ़िल्म आलोचना के समाचार रहते हैं। नई फ़िल्मों, फ़िल्म जगत, पुरस्कारों, फ़िल्म जगत की महान हस्तियों के साक्षात्कार तथा उनके परिचय से समाचार-पत्रों के पृष्ठ रंगीन हो जाते हैं। युवा वर्ग ऐसे समाचारों में विशेष रुचि लेता है। 'फ़िल्म कलियां', 'फ़िल्म दुनिया' 'मायापुरी' आदि अनेक पत्रिकाएँ भी प्रकाशित होती हैं।

Scanned with CamScanner